



Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
RATNAGIRI

भाषा-संगम

2024-25



प्राचार्य की कलम से



विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं ।
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरुणां गुरुः ॥

विद्या मनुष्य का सबसे सुंदर रूप है, छिपा हुआ धन है, विद्या भोग, यश और सुख देती है, विद्या गुरुओं की भी गुरु है।

शिक्षा में कला सिर्फ सीखने में रचनात्मकता को बढ़ावा नहीं देती; यह आत्मविश्वासी, सर्वांगीण छात्र बनाती है। एकीकृत कला शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र अधिक आत्मविश्वासी, समावेशी, अभिव्यंजक और सहयोगी शिक्षार्थी होते हैं।

कला शिक्षा का आजीवन लाभ छात्रों द्वारा बनाए गए अंतिम उत्पाद से कहीं आगे तक जाता है। शिक्षा में कला का वास्तविक लाभ प्रदर्शन, विकास या सृजन की प्रक्रिया है। कला शिक्षा छात्रों को जटिलता को पहचानने और समझने की अनुमति देती है, जिससे वे किसी समस्या का स्पष्ट सही या गलत उत्तर न होने पर निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए तर्क का उपयोग करने में सक्षम होते हैं। यह छात्रों को जिम्मेदार निर्णय लेने वाले और भावनात्मक रूप से बुद्धिमान इंसान बनने में सक्षम बनाता है। शिक्षा छात्रों को अकादमिक सफलता के अवसर प्रदान करती है। शिक्षा में कला समग्र विकास पर रचनात्मकता की प्रभावशीलता पर प्रकाश डालती है। छात्र कला शिक्षा के माध्यम से स्वतंत्रता, आत्म-सम्मान और सहयोग कौशल का पोषण करते हैं। कला शिक्षा में रचनात्मकता नवाचार के लिए जगह छोड़ती है। यह उन्हें अपने सीखने का स्वामित्व लेने की अनुमति देता है। एक छात्र के समग्र विकास को बढ़ावा देना शक्तिशाली है और एक प्रभावशाली शिक्षा में योगदान देता है। एक एकीकृत कला शिक्षा छात्रों को आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ जीवन में जटिलताओं को नेविगेट करने में सक्षम करेगी।

श्री सुरजीत चटर्जी (प्राचार्य)

बाल भारती पब्लिक स्कूल, रत्नागिरि, महाराष्ट्र

संस्कृत



कला समेकित



विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम की विषय- वस्तु को सीखने- सिखाने के लिए कला के साथ जोड़ देना ही कला समेकित शिक्षा है। कला के माध्यम से विभिन्न विषयों की अमूर्त अवधारणाओं को बहुत ही सरल और आसान तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है। इस प्रकार की शिक्षा अध्यापकों और बच्चों दोनों के लिए लाभप्रद है। इससे अध्यापकों की कक्षा बाल केंद्रित एवं आनंददायक बन जाएगी तथा विद्यार्थियों के लिए रुचिकर। कला समेकित शिक्षा में कला को पाठ्यक्रम का मुख्य हिस्सा बनाते हुए काम किया जाता है। इससे बच्चों के कई तरह के कौशल और क्षमताओं का विकास होता है। इसमें कला को केंद्र बिंदु में रखकर गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और उनकी अमूर्त अवधारणाओं के बीच एक संबंध स्थापित किया जाता है। कला समेकित शिक्षा को विभिन्न विषयों से जोड़कर उनकी विषय वस्तु को प्रभावी ढंग से सिखाया जा सकता है। इस तरीके से सीखना समग्र, आनंददायक और अनुभवात्मक हो जाता है। कला अभिव्यक्ति के लिए एक भाषा प्रदान करती है। यह अभिव्यक्ति कला के दृश्य रूप जैसे (पेंटिंग, फोटोग्राफी, मूर्तिकला) यह प्रदर्शन रूप (नृत्य, संगीत, रंगमंच तथा जादू के प्रदर्शन) में हो सकती है। अगर पाठ्यक्रम में कला का समावेश हो तो इससे विशेष रूप से अमूर्त अवधारणाओं को स्पष्ट करने में मदद मिलती है। कला समेकित पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों की विषय वस्तु को तार्किक, विद्यार्थी केंद्रित और अर्थपूर्ण तरीके से जोड़ने के साधन प्रदान करता है। कला को केंद्र बिन्दु में रखकर गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान भाषाओं और उनकी अमूर्त अवधारणाओं के बीच एक सम्बन्ध स्थापित किया जा सकता है। उसे आपस में जोड़कर विषय वस्तु को प्रभावी ढंग से सीखाया जा सकता है।

श्री आशुतोष कुमार झा
सहायक शिक्षक- (हिंदी/संस्कृत)

कक्षा: षष्ठी

विषय: संस्कृत (प्रकृति भ्रमण)



कक्षा: चौथी

विषय: हिंदी (कला समेकित शारीरिक शिक्षा के साथ)



कक्षा: चौथी

विषय: हिंदी (कला समेकित शारीरिक शिक्षा के साथ)



कक्षा: पांचवीं

विषय: हिन्दी (कला समेकित संगीत के साथ)



हिंदी

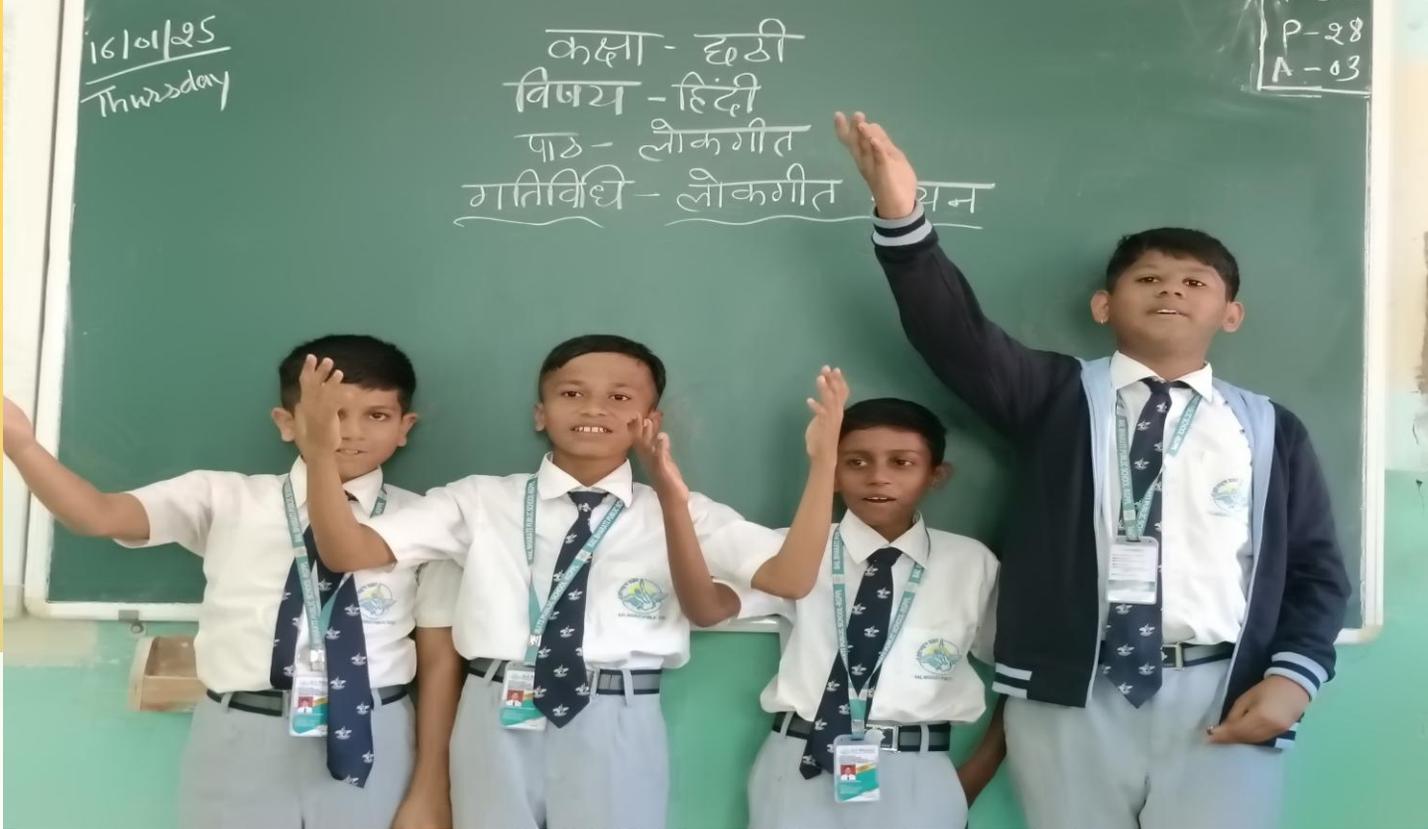




भाषा संगम पत्रिका छात्रों के भाषा कौशल और सृजनात्मकता को प्रदर्शित करती है। हिंदी भाषा में कविता, कहानी, चुटकुले और नारा लेखन का बहुत महत्व है। कविता छात्रों को अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का एक सुंदर माध्यम प्रदान करती है। यह उनकी कल्पना शक्ति और सृजनात्मकता को बढ़ावा देती है। कहानी छात्रों को नए शब्दों और वाक्यों के साथ-साथ जीवन के महत्वपूर्ण सबक सिखाती है। यह उनकी पढ़ने और समझने की क्षमता को भी बढ़ाती है। चुटकुले छात्रों को हंसाने और तनाव कम करने में मदद करते हैं। यह उनकी भाषा कौशल और संवाद क्षमता को भी बढ़ाते हैं। नारा लेखन छात्रों को अपने विचारों और संदेशों को संक्षेप में व्यक्त करने का एक प्रभावी तरीका सिखाता है। यह उनकी लेखन क्षमता और संवाद कौशल को बढ़ाता है। शिक्षक इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की भाषा कौशल और सृजनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। शिक्षक छात्रों की रचनाओं को प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें अपनी रचनाएँ साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से, शिक्षक छात्रों की भाषा कौशल और सृजनात्मकता को बढ़ावा दे सकते हैं और उन्हें एक अच्छा लेखक, कवि और संचारक बनाने में मदद कर सकते हैं।

हिंदी अध्यापिका
सुमन लखनपाल
प्राथमिक शिक्षिका

कक्षा 6 के छात्रों द्वारा 17 जनवरी 2025 को हिंदी विषय के अंतर्गत कक्षा में लोकगीत अध्याय की लोकगीत गायन गतिविधि का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने गांवों और देहातों में गाए जाने वाले लोकगीतों का गायन किया



कक्षा पांचवी के छात्रों ने 17 जनवरी 2025 को स्कूल प्रांगण में अपनी अध्यापिका के साथ मिलकर संस्कृत श्लोकों का गायन किया



कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों द्वारा रचित हिंदी कविता, कहानियां, चुटकुले, नारे, पहलियां आदि

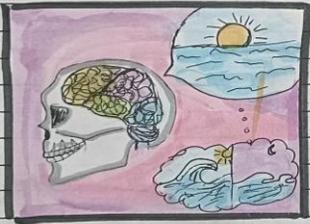
भावनाएँ

खुशी का रंग पीला,
दुःख का काला साया
क्रोध की लालज्वाला,
शांति का नीला सामा।



प्यार की कोमल धारा,
उर का ठंडा स्पर्श।
आशा की हरी किरण,
निराशा की खूबीतर्षा।

मन है सागर,
भावनाएँ लहरें।
खुशी की लहर कभी
दुःख की लहर गहरी।



क्रोध का तूफान उठना,
प्यार की धारा बहनी।
उर का सोंप रंगता,
आशा की चिड़िया गाती।



पहेली

१. मेरी खाल उतार दो
मैं नहीं रोऊंगी, पर तुम रोओगी!
मैं क्या हूँ?

२. एक कोने रहकर
दुनिया भर की यात्रा
कौन कर सकता है?

लेखिका:- हस्ती पटेल
कक्षा :- छठवीं

शिक्षक

शिक्षक वही हैं,
जो जीना सीखा दें।
आपसे अपनी,
पहचान करा दें।
मुश्किलों से लड़कर
आगे बड़ जाओ तुम।
वह तुम्हें इतना इमानदार बना दें.....
तराश दें क्षीरे की तरह तुमको,
दुनिया के रास्ते पर चलना सीखा दें
शिक्षक वही हैं,
जो जीना सीखा दें।



टिम-टिम तारे

टिम-टिम करते आसमान में
किरने और तारे हैं।
काले देखो तो लफाई
जब में सबसे चोर हैं।
नीले-पीले कुछ अमरीली
ये तो प्यारे-प्यारे हैं।
इनकी शिंती कंधे में कैसी,
ये तो कितने शारे हैं।



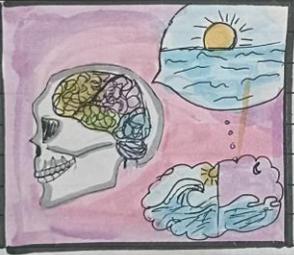
भावनाएँ

खुरी का रंग पीला,
दुःख का काला साया।
क्रोध की लालज्वाला,
शांति का नीला सामा।



प्यार की कोमल धारा,
डर का ठंडा स्पर्श।
आशा की हरी किरण,
निराशा की शूची वर्षा।

मन है सागर,
भावनाएँ लहरें।
खुरी की लहर कंची
दुःख की लहर गहरी।



क्रोध का तूफान उठना,
प्यार की धारा बहना।
डर का सौंप रंगना,
आशा की चिड़िया गाना।



पहेली

१. मेरी खाल उतार दो
मैं नहीं रोऊँगी, पर तुम रोओगी!
मैं क्या हूँ?

२. एक कोने रहकर
दुनिया भर की यात्रा
कौन कर सकता है?

लेखिका:- हस्ती पटेल
कक्षा :- छठवीं

Hindi Joke

टीचर : वाक्य को अंग्रेजी में
ट्रांसलैट करो
'वसंत ने मुझे
मुक्का मारा'

संजू : वसन्त + पंच + मी
= वसन्तपंचमी

अनन्या भार्गव
कक्षा : सातवीं
अनुक्रमांक : 5

चुटकुले....

आज का विचार
जम्बुलोक हो या भारत, तुम्हें उसे जाने का
शस्ता दे। दोनों ही जियेगी की जग लड़ने
जा रहे हैं।

मोहब्बत बस यात्रा की तरह
होती है... और... शादी विमान
यात्रा के समान...

मास्टर:- अगर पृथ्वी के अंदर
LAVA है तो बाहर क्या है?
संजू:- मास्टरजी बाहर OPPO और
VIVO है।

लेखिका-रितिका
जैन

पानी (अल) पर कविता



पानी है कितना अनमोल,
आजो जाने इसका मोल।

प्यासों की यह व्यास बुझाए,
सबके निद्रा अमृत बन जाए।

जीव - जंतु और इंसान,
इसमें बसती सबकी जान।

नदियों में गहा बहकर आता,
जल में सारा है मिल जाता।

लेखक - श्री कृष्ण पटेल
कक्षा - नवमी

पहेली
न किसी से झगड़ा,
न है लड़ाई।
फिर भी मेरी,
होती है पिटाई।

नाम: मिथिलेश म. भाटकर. ३ री

पुटकुलै

पापा: आज के टेस्ट में तुम्हारे
कितने नंबर आए?

छोटू: सीटू से 20 नंबर कम।

पापा: अच्छा, सीटू के कितने
नंबर आए?

छोटू: 20 नंबर।

लेखिका - तनिषा
कक्षा - 6th

मराठी



मराठी राज्य भाषा दिवस सप्ताह



दिनांक २७ फेब्रुवारी हा 'मराठी राज्य भाषा दिवस' म्हणून संपूर्ण महाराष्ट्र राज्यात मोठ्या उत्साहाने साजरा केला जातो. त्या अनुषंगाने सहशालेय उपक्रम घेऊन मराठी राज्य भाषा दिवस शाळेत दि.१०.०२.२०२५ ते१५.०२.२०२५ असा सप्ताह साजरा करण्यात आला. या उपक्रमातून विद्यार्थ्यांना स्वानंद व नवनवीन कल्पना याना वाव देण्याचा प्रांजळ प्रयत्न...

मराठी विषय शिक्षक: श्री.मनोज जाधव

कविता लेखन

♥ आई ♥

आई माझी खुप प्रेमळ.
ती आहे खुप निर्मळ.
जन्म दिव्हा आहे मठा.
कधी विझण मी तिला.
शाकाव शबुनी करते काम.
आपल्यासाठी गाळते धाम.
तुटक्या चपट्या शिबुनी धालते.
शरिरी तीच्या मनात शतते.
आई आहे खुप छान.
ताच्यामुळे मिळते मन्मान.
अंगाई गीत गाते.
बोपट्टनी झोपी धालते.
कष्ट करुनी शक्तिदण.
लग्निते आमच्यासाठी धन
खुप आईचे उपकार.
मानु कसे मी आभार.

आई

जागव्याच्या घडपडोत,
घाई झुलत पण.....
आतपणी कधी झुलत गाहे.....
आयुष्यातल आई नावाचं पान...
काहीही आल तरी कधीच मितल नाही.....
तळहाताचा पाळणा करुन आम्हाळते ती आपल्याला....
आपल्या आयुष्यात आंनवाचा.....
मैहमीच झुलवते ती मळा
आपल जरी विस्मरली.....
तरी माया तिची कधी घटत नाही
आयुष्यातील 'आई' नावाचं पान...
काहीही झाल तरी कधीच मितल नाही
तीच्या अखेरच्या श्वासापर्यंत.....
तीला आपलाच लळा असतो.....
आपल झल ठवून....
ह्यातच तीचा जगण्याचा शौहळा असतो.....
तीच्या पंखाखाली सज निवात असते.....
चिंता कधी भलत नाही वाटत नाही
आयुष्यातल 'आई' नावाचं पान...
काहीही झाल तरी कधीच मितल नाही
कधीच मितल नाही

Name- Anshu Sarvagya Zaki
Class- 7
Roll No- 4

आई

खरं प्रेम कसं करावं
ते आई करुन शिकवं,
सुखाचा वेगळीच न मागता
त्याला फक्त देत रहावं

यशा मिळाल की
तिच्या मिळित घेते आई,
अपयशा क् मिळतं तरी
तिच्या मिळित घेते आई

बऱ्याच ताऱ्यात तफा-तीटा
हा असतो,
आईच्या ताऱ्यात मात्र
निश्चिन्ता हा भाव असतो

इतरांना सांगुनही
समजत तसते,
एक आईच अस्तुते
जिला न आगता सगळं करुने

प्रेमाची लवची आई
तिला अनेक सलाम,
मुतांना सदैव आनंदी ठेवते
जीवनभर करुन काम

आई

आई

आई

आई

आई

आई

माझा मोठा भाऊ

माझा मोठा भाऊ खूपच वेगळा,
माझ्यासाठी नेहमी खास
आणि सजळा.

तो मला शिकवतो चांगलं
वागायला,
संकट आली तरी धीर टाकला.

आई बाबांसारखा माया लावतो,
छोट्या चुका गोडीनं समजावतो.

खेळताना माझ्यासोबत
पण चुकल्यास थोड्या रस्ना
दाखवतो.

रागावतो कधी पण मनांनं मोठा,
स्नेहाचा हा अनमोल जोळळा

मोठा भाऊ म्हणजे भावली प्रेमाती,
आयुष्यभर साथ देणारी भावनी
आपली.

- Swara Santosh Babbar Class V

कविता 'बाबा'

बाबा मझो वडा सारया

माती घट्ट रूतून कुडुबाला सावली देणारा

खतां ऊत सोयणारा

पण लेकराचो पंजात बळ देणारा

कधी 'माय' होऊन भुला भुलविणारा

तर कधी स्वः ताच्या वहाणा

लेकराता देणारा

कुडुबाचे छत्र होऊनी

मायेची सावली धरणारा

प्रत्येक संकटाला सागेन जाणारा

मुलांच्या हाकेला धाडव देणारा

कुडुबाला आधार देणारा

आयुष्यभर पितासाठी तग

धरून

विसवावर जालाणारा

आयुष्यभर नात्याला सिजब देणारा

कधी घराची कॅले, तर कधी घराच्या भिंती बाघणारा

प्रत्येकाच्या मनामध्ये ज्याला 'बाबा' घडलेला असतो

मनाच्या कण्व्यामध्ये ज्याने त्याने नपविलेला असतो

- **जेवबासिनी**



Jeevabhasini-P.G. V

आई

माया मझला मजनी जीव लावते आई

नाही जगात कोठे अशी दूसरी मझतई....

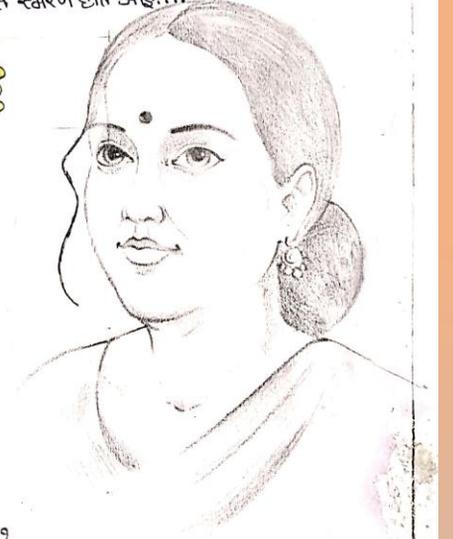
भेदिराचा कळस दिसावा तशी आईची ब्यासि

छेन्नगातील तुळशी प्रमाणे सांझाळते हृदयाची ताती

प्रेमस्वरूप तुझे वानस्पत्य तुझी स्मृति मनात ठई

हृदयात वारादारात तुझे स्मरण होते आई....

आई



Name - Hecamls
Roll no. 13
class IV

आजी

आजी ज्ञानाचे सांघर असते
अंधारात प्रकाशाचे द्वार असते
कधी भागेची हनुसारे फुलव
कधी छडीची कडवा कच असते.

आजी आमचे टोकायंत आहे
तीचे शब्द अमहात्म्य आहे.
विचारामात्र भुरपले आम्ही,
पण ती आज स्वतः आहे.

आजी म्हणजे दया असते,
आजी शाहवा असते.
कुठली धाडल फुलत नाही
नजरेचा अन्न पहाश असते.

आजी म्हणजे दया आहे
आजी म्हणजे प्रेम पण आहे.
फल पाहता क्षमी - कळ्यात भुरगारे,
घराचे अद्यादस्त धरपण आहे

स्वराज्य हाकिले सिध्दते
पण लढविले बाजीने आहे
जन्म आई - कळ्यात दिले
संस्कार दिले आजीने आहे.

घरे साजीचे बनविले तितेने
ते आम्ही वाटणारे आहे
नसान्यात कसेनाका वाचणारा हा
तिचा अस्माविश्वास आहे.



Name: Anshu K. Patil
Class: VI (5)

आई



आई हाक नाव असते,

जगावेगळा भाव असते...

आई हाक जीवन असते.

प्रेमळ मायेचे लक्षण असते.

आई हाक श्वास असते.

जिव्हळ्याची रास असते

आई हाक आठवण असते.

प्रेमाची सारवण असते.

आई हाक वाट असते.

आयुष्यातील सर्वात पहिली

गाठ असते

आई हाक भेट नोट असते.

बहरणांच्या जीवनाची हिरी

पात असते.

आई हाक सुंदर घर असते.

वास्तव्याची सर असते.

आई हृदयाची हाक असते.

नि शब्द जाग असते.

आई हाक शपेची गर्ती असते.

सतत शोभत राहून मागी दाखवत असते.

Name - Shoujy
class - 5
Rajmane
Roll - 30

महाराष्ट्र खाद्यसंस्कृती



वडापाव

वडापाव बनण्यासाठी लागणारे साहित्य :- बटाटा, बेसन, हरी मिरची, अरब, लहसुन पेस्ट, हवी पाऊडर, राई, कडी पत्ता, बेकिंग सोडा, हरी चटनी, सुखी लाल चटनी, नमक, तेल यांची गरज आहे.

कृती :- एक किलो बटाटा, अरब किणो बेसन, अरब किणो मिस्ची, एक चौथा अवरेक, लहसुन चे पीच, थोडा दुग्द, अरब चमचा हवी पाऊडर, अरब चमचा राई, दोन तीन कडी पत्ता जी डाली, एक चौथा बेकिंग सोडा, अरब चमचा लाल मिर्ची पाऊडर, थोड्या पाऊडर एक चमचा

रेसिपी :- थोडी अचोतर तेल गरम करून त्यात राई आणि कडी पत्ता टाकणे आणि चढकवावे. आता उकळून त्यात गेशा करून त्यात हवी पाऊडर, थोड्या पाऊडर, आमचूर पाऊडर आणि नमक घालून थोड्या पकावे. बेसन, नमक, बेकिंग सोडा आणि पाण्याचा भाज घालून तयार करावा. आताच्या मिश्रणाच्या थोक्या बनवून बेसनच्या घालात डिप करून तळण्यात. पडे झालेले ब्राऊन होई पर्यंत तळवावे. पावला मध्यभागातून कापून त्यावर सुखी लाल चटनी घालावी. बडे ठेवावा आणि एकूण थोडी सुखी लाल चटनी घालून पावच्या वरच्या भागाने झाकावे. तली दुहे ही मिर्ची आणि ही चटनीसोबत गरम गरम रस रस करावे.

वडापाव घाले तयार!!

कांदा भजी



साहित्य :- बेसन पीठ, कांदा, ववा, भोडा कोथिंबीर, मिस्ची, पाणी, तेल.

कृती :- बेसन पीठ, उष्ण चिरलेला कांदा, दोन चिरलेल्या मिबच्या, थोडा भोडा व मीठ आणि भोडा व बारीक चिरलेली कोथिंबीर यांचे मिश्रण एकजीव करून घेणे. व कढईत तेल गरम करून त्यामध्ये छोटे छोटे भजी लालवार होईपर्यंत तळा. -

धन्यवाद!

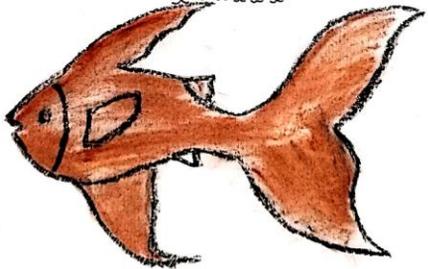
। सुखमर् फ्राय।

सहस्राष्ट्रिय प्रदर्शन

साहित्य :- तेल, सुखमर्, रवा, कोळम आगळ, मसाला, मिठ

कृती :- सुखमर् ह्या तिला उच्चपटो साफ करा. नंतर त्यावर कोळम आगळ टाकून त्या मरछीला उम्रेच घालुदे. नंतर त्याला मिठ, मसाला आणि हळद मिळवून नंतर त्यात तेल लावायला ठेवा. तेल साफल्यानंतर मरछीला रव्यात बुडवून मरछी छिजयला ठेवा. मरछी -ची एक बाजू छिजली छी मरछी एलटून तेलवर छिजयला ठेवा. मरछी छिजल्यावर उम्रेच उखी मरछी छजयला तयार आहे.

चित्र



साबूदाणा खिचडी



साहित्य :- १ कप साबूदाणा, २ बटाटे, २ मिरच्या, ७-८ कढीपत्त्याची पाने, १/४ कप चिरलेली कोथिंबीर, १/२ लिंबाचा रस, १/२ टीस्पून जिरे, १ टीस्पून साखर, चवीनुसार मीठ, १/४ कप शेंगदाणे कूट, तेल.

कृती :- १) साबूदाणा स्वच्छ घुवून अर्धातास पाण्यात भिजत ठेवा. नंतर पाणी उपसून ४-५ तास फुलू द्या. २) नंतर साबूदाणा बनवताना बटाटे चिरून घ्या. साबूदाणात शेंगदाणे कूट, मीठ, साखर, कोथिंबीर आणि लिंबाचा रस घालून छान एकत्र करून घ्या. ३) कढईमध्ये तेल गरम करून घ्या. यात क्रमाक्रमाने जिरे, मिस्ची व कढीपत्ता यांची फोडणी करून घ्या. ४) यावर बटाटे घालून झाकण ठेवून भिजवून घ्या. ५) बटाटा भिजला की यात साबूदाणा घाला. छान गरम होईपर्यंत परतून घ्या. ६) आपली साबूदाणा खिचडी तयार आहे. गरमा-गरम सर्व्ह करा.

गाव :- हस्ती हरेरा फेल
इयता :- सहवी

आम्ही सुविचार लिहितो



आकाशाला गवसणी
घालण्यासाठी उंच
भरारी घ्यावी लागते.

रुद्र पवार

CS Scanned with CamScanner

क्षेत्र कोणतेही असो
आयुष्यात
कष्टाला पर्याय नाही
आणि कष्ट प्रामाणिक
अभिलेखी
“अशालाही पर्याय नाही”

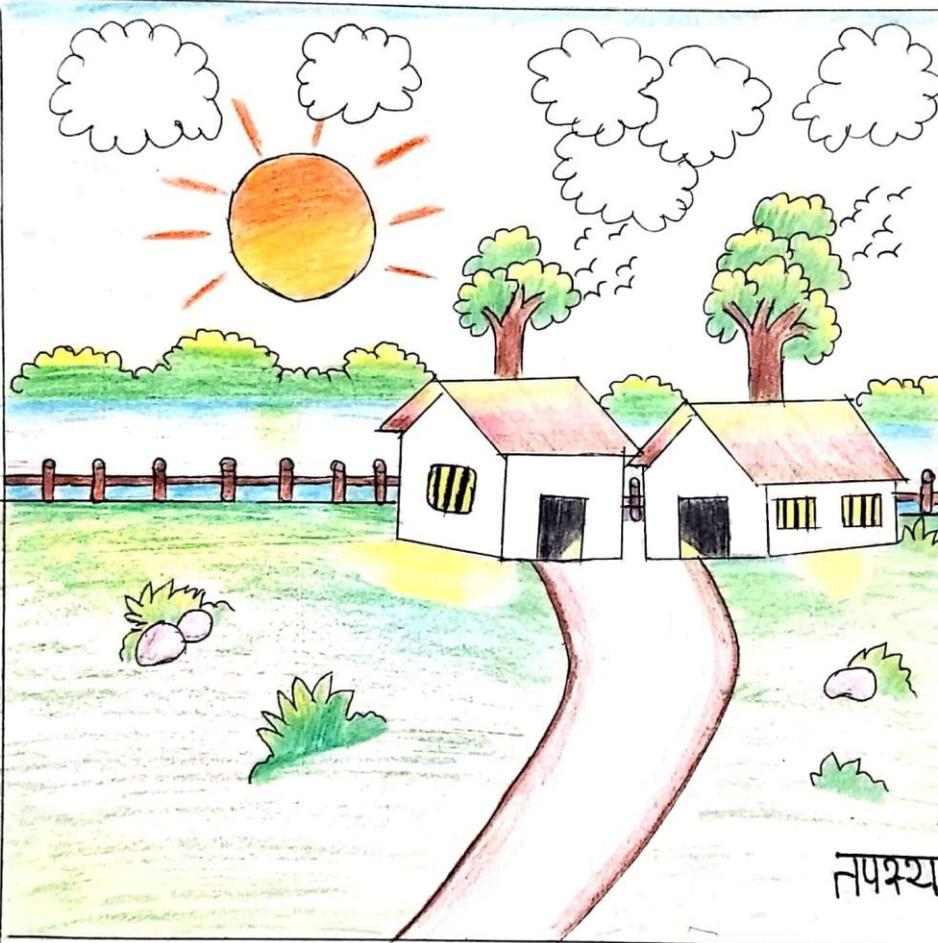


- भव्या शरिता फेल. इयत्ता - २०१०

CS Scanned with CamScanner



नुम्ही आयुष्यात काय
कमावू
ले
आच्यावर कधी गर्व करू नका
कारण
बुद्धिनेलाचा खेळ संपला
कि
सगळे मोहरे आणि राजा
एकाच उच्छ्वात
डेवले जातात.



निसर्गाचे
रक्षण
हेच खरे
सुलभ शिक्षण
आहे

तपश्या विलास सैतवडेकर

असा आमचा महाराष्ट्र आणि वीर शिवराय



Name: Rudransh
Kulaje
Class: VIII

गणेश चतुर्थी

गणेश चतुर्थी हा हींदूनी विशेषतः महाराष्ट्र राज्यात साजरा केला जाणारा सण आहे. गणेश चतुर्थी दशरथी ऑगस्ट-सप्टेंबर महिन्यात साजरा केला जातो. गणेश चतुर्थी हा भगवान शिवपुत्र गणेश यांचा वाढदिवस आहे. हिंदू पौराणिक कथांमध्ये, भगवान गणेश हे "प्रथम पुत्र" म्हणजेच सर्वांमध्ये प्रथम पुजले जातात. भगवान गणेशाचा बुद्धी आणि ज्ञानाची देवता मानले जाते, त्यांना "मंगल मुर्ती" म्हणून देखील ओळखले जाते ज्याचा अर्थ समृद्धी, कल्याण, आनंद इत्यादींचे प्रतीक आहे. गणेश चतुर्थी सुमारे १० किंवा ११ दिवस साजरा केला जातो. हा मुख्यतः मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा या राज्यांमध्ये साजरा केला जातो. तमिळनाडू आणि पश्चिम बंगाल, लोक गणपतीची मुर्ती आणतात. आणि दुर्योधनी प्रतिष्ठापना करतात. हा सण कोकणातही खूप मोठ्या पद्धतीने साजरा केला जातो.

शिवाजी महाराज जयंती



छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती किंवा शिवजयंती हा महाराष्ट्रातील एक प्रसिद्ध सण व उत्सव आहे. हा सण मराठा साम्राज्याचे संस्थापक छत्रपती शिवाजी महाराज यांच्या जन्मदिवसानिमित्त महाराष्ट्र सरकारने निश्चित केल्याप्रमाणे हा सण १९ फेब्रुवारी रोजी महाराष्ट्रभर साजरा केला जातो. या दिवशी महाराष्ट्रात शार्वजनिक सुट्टी असते. महाराष्ट्राबाहेरील काही ठिकाणी उत्सव प्रमाणात हा उत्सव साजरा केला जातो. अर्थात अरावोदर महात्म्या इयत्तेला फुले यांनी शिवजयंती साजरी केली. १९५५ मध्ये लोकसभेत ठिकठिकांनी शिवजयंती उत्सव सुरू केला. जगातील सगळे येऊन असून उत्सवांच्या निमित्ताने शास्त्रीय नाचवं आणि त्याचा वापर ब्रिटिशविरुद्ध लढा देण्यासाठी कुशवा असा हेतू यामध्ये होता. मुस्लीमांच्या कडक शिवजयंती राहिल्या वशाकत शिवजयंतीचा उत्सव बांगलासमध्ये जसून पोहोचला. बांगलासमध्ये शिवजयंतीची सुरुवात कुराणाचे अर्थ 'संस्थापक गणेश देऊकर (३६६-१६१२) याला जाते. ते लोकसभेत ठिकठिकांचे अनुयायी होते. १९०२ साली त्यांनी बांगलासमध्ये शिवजयंती उत्सव साजरा केला. देऊकरात जन्मले महाराष्ट्रीय परंतु बांगलासमध्ये स्थायिक होते. महाराष्ट्र सगळी २००९ साली फाळतून तय होती. शके १९५३ (१९९२) १९ फेब्रुवारी ३६३ शिवरायांची जन्मदिन

छत्रपती शिवाजी

महाराज

सूर्य किरणे गरव्याला होती जाळत
शिवनेरी वर भावा हि होता खेळत ॥

येणाऱ्या नव्या पर्वती
लागली होती चढील
शिव जन्मान प्रणार होत
पहिल मराठी पाऊल ॥

मराठ्यांचा प्रत्येक अक्षू
जिजाऊ ने साठवलं होता
आई सवानीस तेज अक्षू देऊन
पोटी मराठ्यांचा धनी माणितला होता ॥

नाव :- जय शंभरकर

इसता :- 9th

छत्रपती शिवाजी महाराज

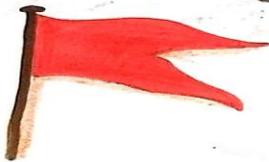


प्राणपणाने लढून राजा
तुच जिंकले किल्ले,
दुष्मनांचे मदा परतून
तुच लावले हल्ले,
धर्मरक्षणा तुच घेतला
जन्म जिजाऊ पोटी,
हे शिवराय प्रणाम
तुजला कोटी कोटी!

नाव :- आशुष्य भोमले

इसता :- 9th

धर्म, पंथ, जात एक जाणतो
मराठी। एवढ्या जगात माय
मानतो मराठी ॥



नाव :- प्रियदर्शिनी राव

इसता :- 4th

मराठी भाषेची शौर्यगाथा

मराठी भाषा, अंस्कृताची शंकी मुळे,
शब्दांची श्रौठी, काव्यांची शौर्यगाथा फुलं.
इतिहासाच्या ओघात जी वाढत गेली,
अंपूर्ण महाभारताने ती प्रेमाने गायली.

छत्रपती शिवाजींचे नेतृत्व, श्वराज्याची अपथ,
शिवकालीन बोल, देत होते फ्रांतीचा प्रभाव.
त्यांच्या शब्दांतून, शौर्य वंशाचा गर्व,
मराठी भाषेने दिला स्वातंत्र्याचा श्रंदेव श्रर्वत्र.

देवनागरी लिपीतून, विविध प्रकार उभे,
आधुनिक, पारंपारिक आणि ग्रामीण श्रंभाषाची श्रंभे.
दंखन, कौकण, विदर्भाच्या बौलीत विविधता,
श्रर्व ठिकाणी मराठीचे ठरले अश्र्मित्व आणि प्रतिष्ठा.

मूळात, अंस्कृतचा वादशा, शौर्याचा गर्व,
मराठी भाषेने आपल्या कणाने जगाला अर्पित केले महत्त्वाचे पर्व.
शिवाजींच्या वीर गाथांनी व शब्दांनी निर्माण केला इतिहास,
मराठी महाभारतची ताकद, भारतीय अंस्कृतीचा मान व हर्ष.

नाव - श्रुतवती प्रभात अंभारे
इयत्ता - ९ वी

FOR EDUCATIONAL USE

CS Scanned with CamScanner

वीर शिवरायंचे गीत

छत्रपती शिवाजी, स्वराज्याचे निर्माते, छाडली, शूर, महापराक्रमी वीर
महाली। भावळ्यांचा आचार, स्वातंत्र्याचे प्रेरक, स्वराज्यासाठी लढले,
स्वामिमानाचे श्रकक।

रणांगणात श्रैकला, आपले स्वप्न उभारले, मराठ्यांचे स्वप्न शकार केले,
स्वातंत्र्य मिळवले। श्री भवातीचे भक्त, राज्याचे कर्तृश्रिष्ट, स्वराज्याचे
श्रंस्थापक, वीर शिवाजी महाराज महानिष्ट।

छत्रपती शिवाजी, जिचे जन्म घेतला तुम्ही, स्वामिमानाच्या ज्योती, उजळविणारे
तुम्ही। स्वराज्याचे गण, शत्रूंचे मनी घालतात श्रय, वीर शिवाजी महाराज,
तुम्हाला पराक्रमांची जय।



नाव - श्रुतवती अंभारे, इयत्ता - ९ वी

CS Scanned with CamScanner

शौर्य, किल्ले, परंपरेची शान
मराठी संस्कृतीचा
वाढवू मान...

ओमसाई कपूर विचारे, इयत्ता - ९ वी

CS Scanned with CamScanner

गुणगान महाराष्ट्राचे

कोडे रांगडे सध्याप्रीचे
जशी पहाडी छाती
जेशा तांबड्या मातीचा
ठिका जणू लव्हाटी
खुणा पिण्या इतिहासाच्या अंगागी ज्याच्या
अखंड राहो उभेद्य राहो महाराष्ट्र माझा..

श्याप डफावर पेडे
पवाडे गाती हो गुणगान
वंदनीय ते शौर हुतात्मे
अज त्यांचे बलिदान
वीरांच्या त्या बलीदानाला मुजरा मानचा..
अखंड राहो उभेद्य राहो महाराष्ट्र माझा..

तमी फडकते ध्वजा
शशाचा निनादतो डंका
अखंड राखू रकजुट ही
तुको मती शंका
पदोपदी आदरी आत्मचा शिवशंभू राजा
अखंड राहो उभेद्य राहो महाराष्ट्र माझा

नाय - केतन शिंदे
इयत्ता - ३वी

- गुरु ठाकुर



धन्यवाद